

शुक्र पुं. (तत्.) 1. सौरमण्डल का एक ग्रह 2. दैत्य गुरु (शुक्राचार्य) 3. चित्रक नामक वृक्ष का एक नाम 4. ऋषि वसिष्ठ के एक पुत्र का नाम 5. तीसरे मनु का पुत्र 6. नेत्रों का एक रोग 7. पुरुष का वीर्य, पौरुष 8. स्वर्ण, सोना 9. शुद्ध और स्वच्छ सोम 10. धन-सम्पत्ति, दौलत 11. सार भाग, सत 12. सप्ताह का छठा दिन, बृहस्पतिवार के पश्चात् और शनिवार से पूर्व का दिन 13. अग्नि, आग वि. चमकीला, श्वेत, उज्ज्वल, विशुद्ध।

शुक्रकर पुं. (तत्.) आयु. मज्जा, जिससे वीर्य बनता है।

शुक्रगुजार वि. (फा.) 1. किसी का आभार मानने वाला, किसी का आभार प्रदर्शित करने वाला, कृतज्ञ, आभारी।

शुक्रग्रहिका स्त्री. (तत्.) ऐसा उपकरण जिसके द्वारा पुरुष के लिंग से शुक्राणु एकत्रित किए जाते हैं, शुक्राधान।

शुक्रज पुं. (तत्.) 1. जैन देवताओं का एक वर्ग 2. वीर्य से उत्पन्न, पुत्र।

शुक्रद्रुम पुं. (तत्.) देवारु।

शुक्रनंदन पुं. (तत्.) अर्जुन।

शुक्रपुरी स्त्री. (तत्.) अमरावती, इंद्रपुरी।

शुक्रपुष्पा स्त्री. (तत्.) अग्निशिखा वृक्ष।

शुक्रपुष्पिका स्त्री. (तत्.) अग्निशिख वृक्ष।

शुक्रल वि. (तत्.) शुक्र या वीर्य की वृद्धि करने वाला।

शुक्रवार पुं. (तत्.) सप्ताह का दिन, भृगुवार, जुमा।

शुक्रवासर पुं. (तत्.) दे. शुक्रवार।

शुक्रवाहिनी स्त्री. (तत्.) पुरुष के शुक्राणु को प्रजनन हेतु निःसृत करने वाली नली।

शुक्रांग पुं. (तत्.) मोर पक्षी।

शुक्रा स्त्री. (तत्.) वंशलोचन, बाँस के पीले भाग में बनने वाला सफेद पदार्थ।

शुक्राचार्य पुं. (तत्.) भृगुपुत्र, दैत्यगुरु।

शुक्राणु पुं. (तत्.) पुरुष के वीर्य का वह अणु जो स्त्री के गर्भ में प्रविष्ट होकर संतान उत्पत्ति का कारण बनता है।

शुक्राना पुं. (फा.) वह धन जो किसी का धन्यवाद करने के लिए दिया जाता है जैसे- वकील, डाक्टर आदि को दिया जाने वाला धन।

शुक्राशय पुं. (तत्.) पुरुष के जननतंत्र का एक भाग जहाँ शुक्राणु जमा होते हैं।

शुक्रिया पुं. (फा.) कृतज्ञता प्रकट करना, उपकार मानना, धन्यवाद।

शुक्रिय वि. (तत्.) शुक्र संबंधी, शुक्र को बढ़ाने वाला।

शुक्ल पुं. (तत्.) 1. चांद्रमास का शुक्ल पक्ष, सुदी पक्ष 2. ब्राह्मणों के एक वर्ग या कुल का नाम 3. चाँदी, रजत 4. ताजा मक्खन 5. श्वेत वर्ण 6. शिव 7. विष्णु 8. श्वेत, एरंड वृक्ष 9. श्वेत लोध्र 10. धव वृक्ष 11. आँख के सफेद अंश में होने वाला एक रोग 12. ज्यौ. शुक्ल नामक योग जिसमें शुभ कार्य करने का विधान है ज्यौ. 13. कुंद पुष्प 14. एक संवत्सर। वि. सफेद, उज्ज्वल, विशुद्ध, चमकीला।

शुक्लकंठ पुं. (तत्.) एक प्रकार का जलकुक्कुट, दात्यूह पक्षी, पनडुब्बी चिडिया।

शुक्लकंद पुं. (तत्.) 1. महिष कंद 2. शंखालू, साँख 3. अतीस।

शुक्लकर्कट पुं. (तत्.) सफेद केकड़ा।

शुक्लकर्मा वि. (तत्.) सात्विक कर्मों वाला, पुण्यशील, शुद्ध आचरण वाला।

शुक्लकुष्ठ पुं. (तत्.) सफेद कोढ़।

शुक्लक्षीरा स्त्री. (तत्.) आयु. काकोली, जीवंती, एक वनौषधि जो चिकित्सा के काम आती है।

शुक्लता स्त्री. (तत्.) शुभ्रता, सफेदी, श्वेतता।

शुक्लदुग्ध पुं. (तत्.) सिंघाड़ा नामक फल।

शुक्लपक्ष पुं. (तत्.) महीने का सुदी पक्ष, अमावस्या के पश्चात् प्रतिपदा से लेकर पूर्णिमा तक का पक्ष।